त्रिपोलिया स्कूल ऑफ नर्सिंग (ए.एन.एम.)

त्रिपोलिया सोशल सर्विस अस्पताल

गुलजारबाग पटना, 800007 बिहार

विवरणिका (PROSPECTUS)

AUXILIARY NURSING AND MIDWIFERY

1. परिचय

आधुनिक नर्सिंग एक विज्ञान , कला है और इसके लिए तेज दिमाग , कठिन अध्ययन और तर्क करने की क्षमता और नर्सिंग के अभ्यास में सिद्धांत लागू करने की आवश्यकता होती है। यह एक सकारात्मक , रचनात्मक कार्य है , जिसकी अस्पताल और समुदाय में लोगों के स्वास्थ्य के निवारक , प्रोत्साहन , उपचारात्मक और चिकित्सीय पहलू के माध्यम से पीड़ित मानवता को राहत प्रदान करने का प्रयास करता है।

2. इतिहास

जेनानी अस्पताल के नाम से मशहूर त्रिपोलिया सामाजिक सेवा अस्पताल की स्थापना वर्ष 1893 में बाइबिल मिशन सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन द्वारा की गई थी। इसमें भारतीय नर्सिंग परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त ऑक्सिलिर्यली नर्सिंग और मिडवाइफरी प्रशिक्षण था। वर्ष 1967 – 68 में इस अस्पताल का स्वामित्व , प्रबंधन और प्रशासन भारत में एक ईसाई धार्मिक संगठन , सिस्टर्स ऑफ मर्सी ऑफ द होली क्रॉस ने अपने हाथ में ले लिया और इस अस्पताल को 1860 के सोसाईटी पंजीकरण अधिनियम 21 के तहत त्रिपोलिया सोशल के रूप में पंजीकृत किया। त्रिपोलिया सोशल सर्विस सोसायटी का पंजीकरण क्रमांक 39, 1967–68 है। त्रिपोलिया सोशल सर्विस हॉस्पिटल इस पंजीकृत सोसाईटी की एक इकाई है , इसमें अन्य इकाइयाँ हैं जैसे सुनने में अक्षम लोगों के लिए प्री – स्कूल और सेवा केंद्र , सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए अनौपचारिक शिक्षा , जी एन एम और ए एन एम नर्सिंग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। हम एड्स , डॉट्स और टीकाकरण कार्यक्रमों में बिहार सरकार के साथ भी सहयोग करते हैं। हम व्यापक सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से अपनी सेवा का विस्तार फतुहा गांवों तक करते हैं , जो केंद्र से 30 किलोमीटर के दायरे में हैं।

3. दर्शन

हम होली क्रॉस की दया की बहनें ईश्वर के दयालु प्रेम से मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित होती हैं , जो लोगों को ईश्वर और एक – दूसरे के करीब लाने के ईसा मसीह के प्रेम पर आधारित है। हमारा मानना है कि यीशु का जीवन , शिक्षाएं और मुक्तिदायक प्रेम , जो सभी को उसकी पूर्णता में जीवन देने और समाज में प्रत्येक व्यक्ति की संपूर्णता के साथ सक्रिय रूप से चिंतित होने के उनके आह्वान के जवाब देने के लिए आए थे। सूर्य के नीचे प्रत्येक व्यक्ति ईश्वर का एक उपहार है और हम सभी को भाइयों और बहनों के रूप में स्वीकार करते हैं।

- नर्सिंग पेशा एक सहयोगी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक अभिन्न अंग है इसलिए इसके लिए वैज्ञानिक सिद्धांतों की अच्छी समझ की आवश्यकता होती है।
- नर्सिंग शिक्षा उनके बौद्धिक , भावनात्मक , शारीरिक और अन्य कौशल को विकसित करने और मजबूत करने के अवसर प्रदान करेगी और इस प्रकार वे प्रभावी और कुशल नर्स बन जाएंगी , जो बीमारों को गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग देखभाल प्रदान कर सकेंगी। नर्सिंग कार्य का लगातार मूल्यांकन और बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलन

की आवश्यकता है। कि योग्य नर्सें अपने पेशे में नवोन्मेषी और रचनात्मक बन सकें।

4. लक्ष्यः

- ❖ रोगियों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग देखभाल प्रदान करने के लिए युवा महिलाओं को शिक्षित करना।
- ❖ राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल वितरण प्रणाली में प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए नर्सों को तैयार करना।

5. उद्देश्यः–

1. स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करना और नर्सिंग आवश्यकताओं की पहचान करना और नर्सिंग देखभाल योजना बनाना। रोगियों / ग्राहकों के लिए नर्सिंग देखभाल को लागू करना और उसका मूल्यांकन करना जो व्यक्तिगत , परिवार और समुदाय के स्वास्थ्य में योगदान देता है।
2. नर्सिंग में उपयोग की जाने वाली तकनीकों और विधियों के अंतर्निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों का ज्ञान और समझ प्राप्त करना।
3. अस्पताल और समुदाय में बीमारों को अच्छी नर्सिंग देखभाल प्रदान करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्राप्त करना और कौशल और दृष्टिकोण विकसित करना।
4. नर्सिंग अभ्यास में समस्या – समाधान पद्धति के उपयोग में कौशल का प्रदर्शन करना।
5. दैनिक कार्यों में मानवीय रिश्तों और संचार में विद्यार्थी की संवेदनशीलता और कौशल का विकास करना।
6. स्वास्थ्य देखभाल के प्रावधान में स्वास्थ्य टीम , समुदाय और अन्य लोगों के साथ काम करने में नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन करना।
7. नर्सिंग अनुसंधान और व्यावहारिक स्थिति में इसके अनुप्रयोग में , आवश्यकता पड़ने पर सहयोग और सहायता करने की क्षमता विकसित करना।
8. व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आत्म – जागरूकता और आत्म – मूल्यांकन में क्षमता प्रदर्शित करना।
9. व्यक्तिगत विकास के लिए निरंतर सीखने की आवश्यकता को पहचानना।
10. स्वास्थ्य को बढ़ावा देने , बीमारी को रोकने और पुनर्वास में ज्ञान और कौशल प्राप्त करना जो चिंता ,सहानुभूति , दया और प्रेमपूर्ण सेवा में व्यक्त होता है।
11. ईसाई चिकित्सा नैतिकता का अध्ययन करना और उसका पालन करना तथा समर्पण की भावना विकसित करना।

6. अवधि

एक महीने के अनिवार्य अंग्रेजी पाठ्यक्रम को छोड़कर यह कार्यक्रम 2 वर्ष का है।

7. पात्रता

- प्रवेश के लिए न्यूनतम आवश्यकता किसी भी राज्य से **10+2** आई. ए. , आई. कॉम. ,आई. एस. सी./प्रवेशिका बोर्ड परीक्षा में प्रथम बार में प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हो।
- उम्मीदवार अच्छे स्वास्थ्य और अच्छे नैतिक चरित्र वाली अविवाहित (केवल महिला) , कम से कम 5' ऊंचाई और 40 किलोग्राम वजन होनी चाहिए।
- प्रवेश की न्यूनतम आयु प्रवेश के दिन 17 वर्ष पूर्ण होना तथा 25 वर्ष से अधिक नहीं होना है।

- प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए मात्र **500/–** रूपये प्रशिक्षण केन्द्र के Website - tripolianursinginstitute.in से प्राप्त किया जा सकता है। **5th अप्रैल 2025** से **15th मई 2025** तक प्रॉस्पेक्टस एवं आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। भरा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि **25th 2025 मई** है।
- आवेदिका प्रपत्र अपनी ही लिखावट में स्वयं भरें। अपूर्ण प्रपत्र निष्कासित किया जायेगा। अभ्यर्थी को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा ,

8. प्रवेश परीक्षा एवं चयन (पीएनटी)

- **परीक्षा –** प्रशिक्षणार्थी को मिड इंडिया बोर्ड ऑफ एजुकेशन (MIBE) द्वारा आयोजित और संचालित परीक्षाओं में सम्मिलित होने आवश्यक है। मूल प्रमाणों पत्रों की जाँच (Verification) आवश्यक है अन्यथा बोर्ड प्रशिक्षार्थी को परीक्षा लिखने की अनुमति नहीं देगी। अतः अभिभावक अपना पूर्ण सहयोग दें। सैद्धान्तिक और व्यवहारिक दोनों परीक्षाओं में प्रत्येक विषय में 60 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक है। प्रशिक्षण संस्थान को यह अधिकार प्राप्त है कि उचित कारणवश प्रशिक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से रोक दे।
- **चयन –** आवेदिका को साक्षात्कार की तिथि सूचित की जायेगी। चयन परीक्षा लिखित एवं मौखिक , चयन समिति द्वारा ली जायेगी। चयन परीक्षा में प्रवेशार्थी को उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। चयन समिति द्वारा संचालित इन्टरव्यू में उत्तीर्ण उम्मीदवार की शारीरिक जाँच इस अस्पताल में ही होगी जिसका पूरा खर्च स्वयं वहन करना पड़ता है। प्रारम्भिक तीन माह में यदि छात्रा अस्वस्थ होती है और दवा की आवश्यकता पड़े तो उसे भी स्वयं चुकाना पड़ेगा। बीमार होकर अस्पताल में भर्ती होने पर देखरेख एवं खर्च भुगतान की जिम्मेदारी अभिभावक की है। प्रशिक्षण काल का प्रारम्भिक तीन माह प्रोबेशन (परख) अवधि के रूप में माना जाता है। यह अवधि की समाप्ति के बाद प्रशिक्षणार्थी योग्य पायी गई तथा वह स्वयं इच्छा करे तब वह नियमित प्रशिक्षणार्थी के रूप में स्वीकार की जा सकती है। योग्यता परीक्षा की जेरॉक्स प्रतियों और जन्म तिथि दर्शाने वाले प्रमाण पत्र के साथ पूर्ण आवेदन पहले जमा किए जाने चाहिए।

आवदेन प्रपत्र के साथ निम्नांकित प्रमाण – पत्रों की छाया प्रति संलग्न करें –

(i) आवेदिका का स्व – लिखित आवेदन पत्र

(ii) मैट्रिक उत्तीर्णता प्रमाण पत्र (Board Certificate)

(iii) मैट्रिक अंक पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र

(iv) आई0 ए0/10+2 प्रमाण पत्र (Board Certificate)

(v) आई0 ए0/10+2 अंक पत्र एवं अन्य

(vi) स्कूल/कॉलेज परित्याग प्रमाण पत्र (Leaving Certificate)

(vii) जाति प्रमाण पत्र

(viii)आधार कार्ड

(ix) दो सिफारिशी पत्र (Recommendation)

1. विद्यालय प्रधानाध्यापक 2. पल्ली पुरोहित/पास्टर/मुखिया

सभी मूल प्रमाण पत्र प्रत्यक्ष भेंट (साक्षात्कार/Interview) के समय आवेदिका अवश्य लेती आएँ। साक्षात्कार के समय रहने की व्यवस्था स्वयं करे। यहाँ सुविधा उपलब्ध नहीं है।

- उम्मीदवारों को साक्षात्कार के दौरान अपने आवास की व्यवस्था स्वयं करने के लिए कहा जाता है।
- चयनित सभी उम्मीदवारों को अपने खर्च पर त्रिपोलिया अस्पताल में संपूर्ण चिकित्सा जांच करानी होगी।
- प्रवेश पूर्णतः योग्यता के आधार पर होता है। सिफारिशों पर विचार नहीं किया जाता।
- अपूर्ण आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
- चयनित उम्मीदवारों को रूपये जमा करने होंगे। प्रवेश सुरक्षित करने के लिए 10,000/-(गैर–वापसी योग्य)।
- प्रवेश के समय उम्मीदवार को अपने साथ सभी मूल (Original) प्रमाण पत्र लेकर आए।

(i) मैट्रिक उत्तीर्णता प्रमाण पत्र (Board Certificate)

(ii) मैट्रिक अंक पत्र एवं अन्य प्रमाण पत्र

(iii) आई0 ए0/10+2 प्रमाण पत्र (Board Certificate)

(iv) आई0 ए0/10+2 अंक पत्र एवं अन्य

(v) स्कूल/कॉलेज परित्याग प्रमाण पत्र (Leaving Certificate)

(vi) जाति प्रमाण पत्र

(vii) आधार कार्ड

(viii) पासपोर्ट आकार (रंगीन) फोटो की 03 प्रतियां जमा करनी होगीं।

(ix) दो सिफारिशी पत्र (Recommendation)

1. विद्यालय प्रधानाध्यापक 2. पल्ली पुरोहित/पास्टर/मुखिया

- उम्मीदवारों को 2 साल का नर्सिंग कोर्स पूरा करने की बाध्यता होगी। छूट की स्थिति में , उम्मीदवारों को 2 साल के पूरे पाठ्यक्रम शुल्क का भुगतान करना होगा।

9. अवकाश

परीक्षा अवकाश – 1 सप्ताह , वार्षिक अवकाश – 4 सप्ताह (28 दिन) ।

- दूसरे वर्ष में वार्षिक अवकाश – केवल 2 सप्ताह (14 दिन)
- बीमारी की स्थिति में छात्र प्रति वर्ष 10 दिनों की बीमार छुट्टी का लाभ उठा सकते हैं।

10.सामान्य नियम एवं शर्तें

a. छात्रों से अनुरोध है कि वे प्रशिक्षण अवधि के दौरान छात्रावास में रहें , और छात्रावास/स्कूल/अस्पताल के सभी नियमों और अनुशासन का पालन करें।

b. छात्र ड्यूटी के दौरान निर्धारित वर्दी पहनेंगे।

c. छात्रों को त्रिपोलिया सामाजिक सेवा अस्पताल/स्वास्थ्य केंद्र/संबद्ध अन्य केंद्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण

कर्तव्यों से गुजरना होगा।

d. छात्रों को सभी पालियों में नर्सिंग के सभी प्रकार के कर्तव्यों का पालन करना होगा और प्रिंसिपल , ट्यूटर्स , स्टाफ और अस्पताल अधिकारियों के नियमों और आदेशों का पालन करना होगा।

e. स्थानीय छात्रों के लिए , माता – पिता ही अभिभावक हो सकते हैं। अन्य के लिए माता – पिता को स्थानीय अभिभावक को अधिकृत करना चाहिए। दो फोटो और स्थानीय अभिभावक का उनका पता और फोन नंबर जमा करना होगा। प्रवेश के समय माता – पिता के साथ उपस्थित रहना चाहिए।

f. जब छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया जाता है , तो माता – पिता और स्थानीय अभिभावक चिकित्सा व्यय सहित अस्पताल में देखभाल के लिए जिम्मेदार होंगे।

g. छात्रों को मंहगे कपड़ों और गहनों से परहेज करते हुए अपनी पोशाक साफ सुथरी और शालीन रखनी चाहिए।

h. स्टूडेंट नर्सेज एसोसिएशन में सदस्यता अनिवार्य है।

i. ईसाई छात्रों को ईसाई सिद्धांत कक्षाओं और रिट्रीट में भाग लेना होगा। उन्हें प्रतिदिन पवित्र मास और माला में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

j. प्रशिक्षण के साथ – साथ सेवा दायित्व के वर्षों के दौरान , छात्रों को शादी करने की अनुमति नहीं है।

k. नियमित कक्षाएं चलने की अवधि के दौरान छात्रों को किसी भी प्रकार की छुट्टी नहीं दी जाएगी। आपात्कालीन स्थिति में लिया गया कोई भी अतिरिक्त अवकाश प्रशिक्षण के अंत में पूरा किया जाएगा।

l. यह प्रॉस्पेक्ट्स और प्रवेश , परीक्षा आदि की तारीखें परिवर्तन के अधीन हैं। जब ऐसे परिवर्तन किए जाएंगे तो वे पूर्वव्यापी होंगे और सभी छात्रों पर लागू होंगे , भले ही उन्होंने परिवर्तनों से पहले स्कूल मे प्रवेश लिया हो या नहीं।

m. जो लोग चुने गए हैं उन्हें प्रवेश के दौरान प्रॉस्पेक्टस लाना होगा क्योंकि इसका उपयोग छात्रों की हैंडबुक के रूप में किया जाएगा।

n. छात्र छात्रावास में स्वर्ण आभूषण और कोई अन्य कीमती सामान नहीं लाएंगे।

o. शिक्षकों और अन्य प्राधिकारियों को किसी भी प्रकार का उपहार देना सख्त वर्जित है।

p. रैगिंग सख्त वर्जित और दंडनीय है।

11.स्कूल शुल्क और मेस शुल्क

स्कूल फीसः

- शुल्क संरचना में उल्लिखित शुल्क समय – समय पर पुनरीक्षित होते हैं।
- उम्मीदवारों को प्रवश के समय कुल राशि का भुगतान करना होगा या दो किश्तों में भुगतान करना होगा। पहली किश्त प्रवेश के समय यानि कुल फीस का 50% होनी चाहिए। दूसरी किस्त की आखिरी तारीख 15 मार्च को होगी।
- दूसरे वर्ष और तीसरे वर्ष की फीस 15 मार्च से पहले जमा करनी होगी।

मेस एवं रखरखाव शुल्क

- प्रवेश के दिन , छात्र को 3 महीने की मेस और रखरखाव शुल्क का भुगतान करना होगा।
- मेस और रखरखाव शुल्क का भुगतान हर महीने की 30 तारीख से पहले किया जाना चाहिए।

नोटः– शुल्क संरचना प्रबंधन के विवेक पर परिवर्तनीय है।

संपर्क पता

प्रधानाचार्य

त्रिपोलिया स्कूल ऑफ नर्सिंग

त्रिपोलिया सोशल सर्विस हॉस्पिटल

गुलजारबाग , पटना – 800007 बिहार

मोबाइल नंबर : 9472034517 / 7463946353